पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज
FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION, PRAYAGRAJ

Capacity Building cum Sensitization Workshop on Good Agriculture Practices of Voluntary certification Scheme for Medicinal Plants Produce (VCSMPP)

On 25/02/2020

Venue : Hotel Shree Kanha Residency, Prayagraj ,Uttar Pradesh

दिनांक 25.02.2020 को भारतीय गुणवत्ता परिशद, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के साथ मिलकर औशधि पादप उत्पादन हेत, स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना (VCSMPP) के द्वारा उत्तम कृशि कार्य विशय पर सह–संवेदीकरण क्षमता निर्माण संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल श्री कान्हा रेसीडेंसी, सिविल लाइंस में किया गया।

कार्यशाला का भुभारंभ मुख्य अतिथि डा. संजय सिंह, प्रमुख, पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। कार्यकम के स्वागत भाशण में केन्द्र की वरिश्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डा. अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिशद (QCI) से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा उन्नत कृशि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। डा. संजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाशण में प्रमाणीकरण हेतु आगे आने हेतु प्रयागराज के किसानों का आह्वान किया जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति हर दृश्टि से सुदृढ़ हो सके।

कार्यकम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए डा. मनीश पाण्डेय, निदेशक, भारतीय गुणवत्ता परिशद, नई दिल्ली ने औशधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औशधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढ़ाने में राश्ट्रीय औशधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिशद, योजना व तत्वों की उत्पत्ति में भाासी

संरचना एवं प्रमाणित मानदंड से अवगत कराया। इसके बाद औशधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृशि कार्य के तत्व से संबंधित औशधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदंड में साइट चयन/मिट्टी की स्थिति, बीज/कृशि अभ्यास, कटाई एवं कटाई के बाद का प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण और औजार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी तत्पश्चात उन्होने फसल के अन्तर हेतु खेती के लिए फसल प्रबंधन में मोनोग्राफ विकसित करने हेतु मॉडल संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में अवगत कराया। कार्यकम के अंत में पैकेज भंडारण/मशीनरी अंतर के कम में पहचान एवं खोज तथा कर्मियों और उपकरण से अवगत कराया।

डा. दीपक कुमार गोंड, सहायक प्रोफेसर, चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय **(C.M.P.)** प्रयागराज, ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औशधीय पौधों की खेती विशय से लोगों को अवगत कराया। कार्यशाला में कार्यकम की सह–सचिव डा. अनुभा श्रीवास्तव ने औशधीय पौधों के विपणन पहलुओं एवं संचालन पर चर्चा की।

वन अनुसंधान केन्द्र की वरिश्ठ वैज्ञानिक यथा डा. कुमुद दूबे, आलोक यादव के साथ तकनीकी अधिकारी डा. एस.डी. भुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता के साथ केन्द्र के शोधार्थी छात्र–योगेश, शिवम, हरिओम, चार्ली, राजकुमार, अंकुर, रेखा राणा, अभिजीत, प्रदीप, अमित, कुलदीप, फराज तथा विकास आदि उपस्थित रहे।

INAUGURAL SESSION

SPEAKERS

Director, Quality Council of India

Head, Forest Research Centre

Dr.Anita Tomar, Scientist

Dr. D.Gond Associate Professor CMP college

Dr.Anubha Srivastav, Scientist

रहा है।

औषधीय पौधों से बढ़ेगी किसानों की आय

प्रयागराज। भारतीय गुणवत्ता परिषद के सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि डॉ. संजय सिंह ने कहा कि औषधिपरक पौधों की खेती से किसानों की आय तो बढ़ेगी ही, पर्यावरण भी सुरक्षित होगा। डॉ. अनीता तोमर, डॉ. मनीष पांडेय, डॉ. दीपक गोंड, डॉ. कुमुद दुबे ने विचार रखे। आलोक यादव, डॉ.एसडी शुक्ला, रतन कुमार गुप्ता, योगेश, शिवम, हरिओम, चार्ली, राजकुमार, अंकुर, रेखा राणा आदि रहे।

हिन्दुस्तान हिन्दी दैनिक अखबार

दिनांकः 26.02.2020

औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज(नि.सं)। भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा इनके सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज जोकि पूरे उत्तर प्रदेश में वानिकी से संबंधित कार्य कर रही है, के साथ मिलकर औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना ;टब्ैडच्च्द्ध के द्वारा उत्तम कृषि कार्य विषय पर सह-संवेदीकरण क्षमता निर्माण संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल श्री कान्हा रेसीडेंसी, सिविल लाइंस में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. संजय सिंह, प्रमुख, पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। कार्यक्रम के स्वागत भाषण में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डा. अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद ;फब्द्ध से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा उनन्त कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। डा. संजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रमाणीकरण हेतु आगे आने हेतु प्रयागराज के किसानों का आह्वान किया जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति हर दृष्टि से सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए डा. मनीष पाण्डेय, निदेशक, भारतीय गुणवत्ता परिषद, नई दिल्ली ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढ़ाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिषद, योजना व तत्वों की उत्पत्ति में शासी संरचना एवं प्रमाणित मानदंड से अवगत कराया। इसके बाद औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि कार्य के तत्व से संबंधित औषधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदंड में साइट चयन/मिट्टी की स्थिति, बीज/कृषि अभ्यास, कटाई एवं कटाई के बाद का प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण और औजार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी तत्पश्चात उन्होने फसल के अन्तर हेतु खेती के लिए फसल प्रबंधन में मोनोग्राफ विकसित करने हेतु मॉडल संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में पैकेज भंडारण/मशीनरी अंतर के क्रम में पहचान एवं खोज तथा कमियों और उपकरण से अवगत कराया। डा. दीपक कुमार गोंड, सहायक प्रोफेसर, चैधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय (ब्डण्च्) प्रयागराज, ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती विषय से लोगों को अवगत कराया। कार्यशाला में कार्यक्रम की सह-सचिव डा. अनुभा श्रीवास्तव ने औषधीय पौधों के विपणन पहलुओं एवं संचालन पर चर्चा किया। वन अनुसंधान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक यथा डा. कुमुद दूबे, आलोक यादव के साथ तकनीकी अधिकारी डा. एस.डी. शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता के साथ केन्द्र के शोधार्थी छात्र-योगेश, शिवम, हरिओम, चार्ली, राजकुमार, अंकुर, रेखा राणा, अभिजीत, प्रदीप, अमित, कुलदीप, फराज तथा विकास आदि उपस्थित रहे।

सहज स्वराज हिन्दी दैनिक अखबार

दिनांकः 26.02.2020

औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर कार्यशाला

प्रयागराज(नि.सं)। भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा इनके सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज जोकि पूरे उत्तर प्रदेश में वानिकी से संबंधित कार्य कर रही है, के साथ मिलकर औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना ;टैब्छच्द्ध के द्वारा उत्तम कृषि कार्य विषय पर सह-संवेदीकरण क्षमता निर्माण संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होटल श्री कान्हा रेसीडेंसी, सिविल लाइंस में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि डा. संजय सिंह, प्रमुख, पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा दीप प्रज्वलित करके हुआ। कार्यक्रम के स्वागत भाषण में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डा. अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद ;फब्द्ध से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा उनन्त कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। डा. संजय सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रमाणीकरण हेतु आगे आने हेतु प्रयागराज के किसानों का आह्वान किया जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति हर दृष्टि से सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए डा. मनीष पाण्डेय, निदेशक, भारतीय गुणवत्ता परिषद, नई दिल्ली ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढ़ाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिषद, योजना व तत्वों की उत्पत्ति में शासी संरचना एवं प्रमाणित मानदंड से अवगत कराया। इसके बाद औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि कार्य के तत्व से संबंधित औषधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदंड में साइट चयन/मिट्टी की स्थिति, बीज/कृषि अभ्यास, कटाई एवं कटाई के बाद का प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण और औजार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी तत्पश्चात उन्होने फसल के अन्तर हेतु खेती के लिए फसल प्रबंधन में मोनोग्राफ विकसित करने हेतु मॉडल

संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के अत में पैकेज भंडारण/मशीनरी अंतर के क्रम में पहचान एवं खोज तथा कमियों और उपकरण से अवगत कराया। डा. दीपक कुमार गोंड, सहायक प्रोफेसर, चैधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय (ब्डच्ळ) प्रयागराज, ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती विषय से लोगों को अवगत कराया। कार्यशाला में कार्यक्रम की सह-सचिव डा. अनुभा श्रीवास्तव ने औषधीय पौधों के विपणन पहलुओं एवं संचालन पर चर्चा किया। वन अनुसंधान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक यथा डा. कुमुद दूबे, आलोक यादव के साथ तकनीकी अधिकारी डा. एस.डी. शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता के साथ केन्द्र के शोधार्थी छात्र-योगेश, शिवम, हरिओम, चार्ली, राजकुमार, अंकुर, रेखा राणा, अभिजीत, प्रदीप, अमित, कुलदीप, फराज तथा विकास आदि उपस्थित रहे।

सहजसत्ता हिन्दी दैनिक अखबार– दिनांक–26.02.2020

औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर हुई कार्यशाला

भारत संवाद संवाददाता

प्रयागराज,। भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा इनके सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के साथ मिलकर औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना द्वारा उत्तम कृषि कार्य विषय पर सह संवेदीकरण क्षमता निर्माण संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला सिविल लाइंस में मंगलवार को किया गया। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र के डॉ. संजय सिंह ने प्रमाणीकरण हेतु आगे आने हेतु प्रयागराज के किसानों का आह्वान किया, जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति हर दृष्टि से सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए भारतीय गुणवत्ता परिषद नई दिल्ली के निदेशक डॉ. मनीष पाण्डेय ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढ़ाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिषद, योजना व तत्वों की उत्पत्ति में शासी संरचना एवं प्रमाणित मानदंड से अवगत कराया। से संबंधित औषधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदंड में साइट चयन, के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। तत्पश्चात उन्होंने फसल के अन्तर हेतु खेती के लिए फसल

इसके बाद औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि कार्य के तत्व मिट्टी की स्थिति, बीज, कृषि अभ्यास, कटाई एवं प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण और औजार प्रबंधन में मोनोग्राफ विकसित करने हेतु मॉडल संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में अवगत कराया। स्वागत भाषण में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डॉ.अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा उनन्त कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। अंत में पैकेज भंडारण-मशीनरी अंतर के क्रम में पहचान एवं खोज तथा कमियों और उपकरण से अवगत कराया। सीएमपी महाविद्यालय के सहायक प्रो.डॉ.दीपक कुमार गोंड ने पूर्वी उ.प्र के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती विषय से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम की सह सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने औषधीय पौधों के विपणन पहलुओं एवं संचालन पर चर्चा किया। वन अनुसंधान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक यथा डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव के साथ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता के साथ केन्द्र के शोधार्थी छात्र योगेश, शिवम, हरिओम, चार्ली, राजकुमार, अंकुर, रेखा राणा, अभिजीत, प्रदीप, अमित, कुलदीप, फराज तथा विकास आदि उपस्थित रहे।

भारत संवाद हिन्दी दैनिक अखबार– दिनांकः 26.02.2020

औषधीय पौधों के प्रमाणीकरण पर हुई कार्यशाला

प्रयागराज (हि.स.)। भारतीय गुणवत्ता परिषद, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा इनके सहभागी संस्थान पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज के साथ मिलकर औषधि पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना द्वारा उत्तम कृषि कार्य विषय पर सह संवेदीकरण क्षमता निर्माण संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला सिविल लाइंस में मंगलवार को किया गया।

पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र के डॉ.संजय सिंह ने प्रमाणीकरण हेतु आगे आने हेतु प्रयागराज के किसानों का आह्वान किया, जिससे इस क्षेत्र में देश की स्थिति हर दृष्टि से सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए भारतीय गुणवत्ता परिषद नई दिल्ली के निदेशक डॉ. मनीष पाण्डेय ने औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना की भूमिका और परिचय में औषधीय पादप व्यापार का वर्तमान परिदृश्य गुणवत्ता एवं व्यापार को बढ़ाने में राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के हस्तक्षेप तथा समर्थन में भारत की गुणवत्ता परिषद, योजना व तत्वों की उत्पत्ति में शासी संरचना एवं प्रमाणित मानदंड से अवगत कराया। इसके बाद औषधीय पादप उत्पादन हेतु स्वैच्छिक प्रमाणीकरण योजना के अंतर्गत उत्तम कृषि कार्य के तत्व से संबंधित औषधीय पौधों की खेती का दायरा, आवश्यकताओं एवं मूल्यांकन मानदंड में साइट चयन, मिट्टी की स्थिति, बीज, कृषि अभ्यास, कटाई एवं प्रबंधन पैकेजिंग व भंडारण, उपकरण और औजार के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

तत्पश्चात उन्होंने फसल के अन्तर हेतु खेती के लिए फसल प्रबंधन में मोनोग्राफ विकसित करने हेतु मॉडल संरचना के साथ कटाई तथा प्राथमिक प्रसंस्करण के बारे में अवगत कराया। स्वागत भाषण में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यशाला आयोजन सचिव डॉ.अनीता तोमर ने भारतीय गुणवत्ता परिषद से प्रतिभागियों को अवगत कराया तथा उन्नत कृषि पद्धतियों व कार्य क्षेत्र संग्रह पर विस्तृत चर्चा की। अंत में पैकेज भंडारण-मशीनरी अंतर के क्रम में पहचान एवं खोज तथा कर्मियों और उपकरण से अवगत कराया। सीएमपी महाविद्यालय के सहायक प्रो.डॉ.दीपक कुमार गोंड ने पूर्वी उ.प्र के महत्वपूर्ण औषधीय पौधों की खेती विषय से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम की सह सचिव डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने औषधीय पौधों के विपणन पहलुओं एवं संचालन पर चर्चा किया। वन अनुसंधान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक यथा डॉ. कुमुद दूबे, आलोक यादव के साथ तकनीकी अधिकारी डॉ. एस.डी शुक्ला एवं रतन कुमार गुप्ता के साथ केन्द्र के शोधार्थी छात्र योगेश, शिवम, हरिओम, चार्ली, राजकुमार, अंकुर, रेखा राणा, अभिजीत, प्रदीप, अमित, कुलदीप, फ्राज तथा विकास आदि उपस्थित रहे।

इलाहाबाद एक्सप्रेस हिन्दी दैनिक अखबार

दिनांकः 26.02.2020